

प्रेषक,

संतोष बडोनी,
अनुसंधान
उत्तरांचल शासन ।

सेवार्थ,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून ।

पर्यटन अनुमान:

विषय: जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत पर्यटन विकास की योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-943/VI/2006-2(20)2006, दिनांक 04 अक्टूबर, 2006 तथा शासनादेश संख्या-1038/VI/2006-2(20)2006, दिनांक 16 अक्टूबर, 2006 एवं आपके पत्र संख्या-208/2-6-537/2006-07, दिनांक 02 अगस्त, 2006 तथा पत्र संख्या-1851/2-6-449/2006-07, दिनांक 17 जुलाई, 2006 के सन्दर्भ में श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में जनजाति उपयोजना के अन्तर्गत प्रस्तुत पर्यटन विकास की निम्नलिखित नई योजनाओं हेतु रु० 662.46 लाख के आगणन के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरांत सन्तुत धनराशि रु० 518.02 लाख (रुपये पांच करोड़ सोलह लाख दो हजार मात्र) की लागत के आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ पालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में रु० 102.97 (रुपये एक करोड़ दो लाख सत्तानब्बे हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वर्तन में रखी गई धनराशि रु० 239.72 लाख में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र० सं०	योजना का नाम	योजना की लागत	टी०ए०सी० द्वारा सन्तुत/स्वी कृत की जा रही धनराशि	वित्तीय वर्ष 2006-07 में स्वीकृत की जा रही धनराशि	(धनराशि लाख रु० में) निर्माण इकाई
	जनपद-नैनीताल				
1	ग्राम बैरिया किछाशमनगर में जनजातिय मेला स्थल का विकास	3.15	2.97	2.97	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा नैनीताल।
	जनपद-पिथौरागढ़				
6	दारमा-व्यास घाटी डेस्टिनेशन का पर्यटन विकास, ग्राम -मांगती, गुजौ, दातु, डुगु, कुदट तहसील -भारचुल	659.31	513.05	100.00	कै०एम०वी०एन० नैनीताल।
	कुल योग-	662.46	516.02	102.97	

2-उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी को स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हैं की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी से स्वीकृत करा लें।

4-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार तक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

5-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार तक्षम प्राधिकारी स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

- 7-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 8-कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें।
- 9-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
- 10-निर्माण सामग्री का उपयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।
- 11-कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी तथा बाढ़ व नदी के बहाव आदि से सम्बन्धित सभी बिन्दुओं का परीक्षण निर्माण एजेन्सी द्वारा निर्माण से पूर्व कर लिया जाएगा जिससे भविष्य में किसी प्रकार की समस्या न हो।
- 12-उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31-03-2007 तक पूर्ण उपयोग कर धनराशि की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र यथाशीघ्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा तदोपरान्त ही अवशेष अथवा दूसरी किस्त अवमुक्त की जायेगी।
- 13-कार्य प्रारम्भ के समय सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तरांचल के सौजन्य से किया जा रहा है, योजना प्रारम्भ करने का समय इसकी लागत पूर्ण करने का समय तथा कार्यवाही संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करायेगा एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ्स अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।
- 14-उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-2006 के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -5452-पर्यटन पर पूँजीगत परिधाय-80-सामान्य-आयोजनागत-796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना-02-अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए स्पेशल कम्योनेट प्लान-01-पर्यटन विकास की नई परियोजनाएं-24-बृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।
- 15-कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(संतोष बडोनी)
अनुसचिव।

संख्या-1069/V1/2006-5(6)/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून, पिथौरागढ़।
- 4-निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 5-निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 6-निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 7-जिला पर्यटन विकास अधिकारी, देहरादून, पिथौरागढ़।
- 8-वित्त अनुभाग-2,
- 9-श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 10-अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 11-एन०आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर।
- 12-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

20/